विद्या समीक्षा केंद्रों के लिये टोल-फ्री नंबर

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, **उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार** के प्रयासों के तहत विद्या समीक्षा केंद्रों के लिये एक **टोल-फ्री नंबर प्रणाली** लागू करने की तैयारी में है।

मुख्य बिंदु:

- यह टोल-फ्री लाइन **फीडबैक एकत्र करने, चिंताओं का समाधान करने तथा अभिभावकों, छात्रों और शिक्षकों से स्कूल शिक्षा संबंधी पूछताछ का समाधान करने के लिये एक मंच के रूप में** कार्य करेगी।
  - यह विभिन्न शैक्षिक चिंताओं के समाधान के लिये इंटरैक्टिव वॉयस रिस्पांस (Interactive Voice Response- IVR) तकनीक का उपयोग करेगा।
- इस पहल से राज्य में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और समग्र स्कूल स्तर पर छात्रों को सहायता प्रदान करने के लिये **सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाने तथा शिक्षा प्रणाली को मज़बूत** करने की उम्मीद है।
  - इसके अतिरिक्त, सभी विद्या समीक्षा केंद्रों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

विद्या समीक्षा केंद्र (Vidya Samiksha Kendras- VSK)

- **परिचय:**
  - VSK का उद्देश्य अधिगम के परिणामों में बड़ी उपलब्धि के लिये **डेटा और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना** है।
  - इसमें **15 लाख से अधिक स्कूलों,** 96 लाख शिक्षकों और 26 करोड़ छात्रों के डेटा को कवर किया जाएगा तथा शिक्षा प्रणाली की समग्र निगरानी को बढ़ाने के लिये बिग डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence- AI) एवं मशीन लर्निंग का उपयोग करके उनका सार्थक विश्लेषण किया जाएगा, जिससे अधिगम परिणामों में सुधार होगा।
- **उद्देश्य:**
  - समग्र शिक्षा के दायरे में **विभिन्न परियोजनाओं/गतिविधियों की वास्तविक समय स्थिति** की निगरानी करना।
  - नामांकित छात्रों पर नज़र रखना, जिसमें **अधिगम के परिणाम,** स्कूल छोड़ने वाले छात्र, शिक्षकों और स्कूलों द्वारा अपेक्षित सहायता आदि शामिल हैं।
  - **क्षेत्र स्तर की शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों** की राज्य स्तर पर **निगरानी तथा ट्रैक करना** एवं क्षेत्र में प्रशासकों व शिक्षकों को डेटा आधारित निर्णय लेने हेतु सशक्त बनाना।
  - स्कूल पारिस्थितिकी तंत्र के हितधारकों के लिये **शिकायत निवारण तंत्र हेतु एक केंद्रीकृत सहायता डेस्क** स्थापित करना।
  - निर्णय लेने और कार्यान्वयन में सुधार के लिये क्षेत्रों की पहचान तथा उनका विश्लेषण करना जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।